# Magadh University (TTC)

## Guidance & Counselling

निर्देशन अंग्रेजी शब्द Guidance का हिन्दी रूपान्तरण है। जिसका अर्थ होता है: मार्ग दिखाना या मार्गदर्शन। इसप्रकार मार्गदर्शन एक व्यक्ति द्वारा किसी व्यक्ति को सहायता या परामर्श प्रदान करने की प्रक्रिया का नाम है;

According to Skinner - नवयुवकों को स्वयं अपने प्रति, दूसरे के प्रति, तथा परिस्थितियों के प्रति समायोजन करने की प्रक्रिया मार्गदर्शन है।

According to Crow & Crow :- "मार्गदर्शन पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित एवं विशेषज्ञता प्राप्त पुरुषों तथा महिलाओं द्वारा किसी भी आयु के व्यक्ति को सहायता प्रदान करना है ताकि वह अपने जीवन की क्रियाओं को व्यवस्थित कर सके, अपने निजी दृष्टिकोण विकसित कर सके, अपने आप अपने ये निर्णय ले सके और अपने जीवन का बोझ उठा सके।

निर्देशन की आवश्यकता :-

i) शिक्षा संबंधी आवश्यकता → बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में उचित रूप से समायोजित होने के लिए एवं प्रगति के लिए मार्गदर्शन चाहिए।

Scanned with CamScanner

ii) व्यावसायिक आवश्यकता → बालक अपनी योग्यताओं तथा शक्तियों के अनुकूल कम चुनने के लिए उचित मार्गदर्शन मिलना चाहिए।

iii) व्यक्तिगत एवं मनोवैज्ञानिक आवश्यकता → बालकों को मानसिक उलझनों, बाधाओं तथा चिंताओं से मुक्त करने के लिए मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

इस प्रकार यदि हम बालकों को आत्म-समायोजन तथा सामाजिक समायोजन में सहायता प्रदान करना चाहते हैं तो उन्हें विकास मार्ग पर अग्रसर करना चाहते हैं। तो उनको मार्गदर्शन / निर्देशन प्रदान करना होगा।

विद्यालयों में छात्र मार्गदर्शन के कार्य को तीन क्षेत्रों में बाँटा गया है।

i) शैक्षिक मार्गदर्शन

ii) व्यवसायिक मार्गदर्शन

iii) व्यक्तिगत मार्गदर्शन

Scanned with CamScanner

Page No.
Date :

## व्यक्तिगत मार्गदर्शन की परिभाषा →

According to Crow & Crow →
व्यक्तिगत मार्गदर्शन वह सहायता है जो व्यक्ति जीवन के सभी क्षेत्रों के सम्बन्धित दृष्टिकोण एवं व्यवहार के विकास में बेहतर के लिए प्रदान की जाती है।

### व्यक्तिगत मार्गदर्शन :—

* सूचना या डाटा एकत्रित करना
* समस्याओं के कारणों का निदान
* उपचार संबंधी उपाय सोचना
* व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करना
* अनुसारनात्मक सेवा

i) निदेशन तकनीक
ii) व्यक्तिगत मार्गदर्शन
iii) सामूहिक मार्गदर्शन

### व्यक्तिगत मार्गदर्शन की तकनीक

* व्यक्तिगत संपर्क तकनीक
* व्यक्तिगत अध्ययन तकनीक
* व्यक्तिगत सूचना सेवा तकनीक

Scanned with CamScanner

Page No.
Date :

सामूहिक मार्गदर्शन तकनीक →
* यथास्थिति से परिचित कराना
* व्याख्या देना
* सामुदायिक स्रोत से सीखने के अवसर प्रदान करना।

परामर्श (Counselling) का अर्थ है राय, मशवरा, तथा सुझाव लेना या देना।

रोजर्स के अनुसार → परामर्श किसी व्यक्ति के साथ लगातार प्रत्यक्ष संपर्क की वह कड़ी है। जिसका उद्देश्य व्यक्ति को उसकी अभिव्यक्ति तथा व्यवहार में परिवर्तन लाने में सहायता प्रदान करना है।

ब्रेमर के अनुसार :- परामर्श के समायोजन की ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परामर्श लेने वाले को इस तरह सहायता की जा सके की वह पहले से अधिक स्वनिर्देशित बन सके

परामर्श के प्रकार →
* आपातकालीन परामर्श
* समस्या समाधानात्मक परामर्श
* निवारक परामर्श
* विकासात्मक परामर्श

Scanned with CamScanner

परामर्श देने या लेने के अपने अपने ढंग तथा तरीके होते हैं। तथा इस प्रक्रिया में परामर्शदाता तथा परामर्श देने वाले की अलग-2 स्थितियाँ तथा भूमिकाएं होती हैं। तथा उनका अपना-अपना योगदान रहता। इन्हीं को परामर्श तकनीक या उपागम कहा जाता है।

मुख्य रूप से ऐसे उपागमों में तीन विशेष रूप से उल्लेख होता है। जो कि

i) निर्देशात्मक परामर्श
ii) अनिर्देशात्मक परामर्श
iii) समन्वित परामर्श

Scanned with CamScanner

# Guidance & Counselling

1) **निर्देशात्मक परामर्श** →

जैसा नाम से प्रतीत होता है। इस प्रकार के परामर्श में परामर्शदाता परामर्श लेने वाले को उसकी समस्याओं को सुलझाने, उसका आचरण बदलने तथा व्यवहार में सुधार लाने जैसी बातों को लेकर उसे क्या करना चाहिए और क्या नहीं ऐसे निर्देश दिये जाते हैं। इस प्रकार का परामर्श पूरी तरह से परामर्शदाता केन्द्रित ही होता है।

2) **अनिर्देशात्मक परामर्श** →

इस प्रकार के परामर्श का उद्देश्य निर्देशात्मक परामर्श की तरह परामर्शदाता की ओर से परामर्श लेने वाले को निर्देश जारी करके उसपर अमल करवाना नहीं होता बल्कि ऐसी परिस्थितियों का निर्माण तथा तकनीकों का प्रयोग करना है जिससे परामर्शदाता को अपनी राय चुनने, उस पर चलने तथा अपनी समस्याओं के निवारण में अधिक से अधिक आत्मनिर्भरता प्राप्त हो सके। यहाँ इस प्रकार का परामर्श परामर्शदाता-केन्द्रित नहीं रहता बल्कि परामर्शप्रार्थी केन्द्रित बन जाता है।

Scanned with CamScanner

iii) समान्वित परामर्श :-

एवं अनिर्देशात्मक परामर्श की प्रक्रिया विशेषताओं तथा कामियों से विदित हो सकता है की स्पष्ट रूप से किसी एक प्रकार की परामर्श प्रक्रिया का अनुपालन करना सभी तरह की स्थितियों में हर समय उपयुक्त नहीं रह सकता। पूरी तरह से परामर्शदाता - केन्द्रित या परामर्शप्रार्थी केन्द्रित बनाकर परामर्श प्रक्रिया को संगठित करना इस दृष्टि से कभी भी उपयुक्त नहीं ठहराया सकता। आवश्यकता इस बात की है की किसी भी दृष्टिकोण या दार्शनिक धारणा से बंधकर न रहा जाय बल्कि जिसमें जो बातें अच्छी लगें उन्हें ग्रहण करते हुए एक ऐसा समन्वयकारी रास्ता या उपागम काम में लाया जाए जिससे परामर्श प्रक्रिया में अधिक से अधिक अच्छे परिणामों की प्राप्ति हो सके। इसी प्रकार के उपागम को समान्वित दृष्टिकोण या विभिन्न मतावलंबी उपागम के नाम से जाना जाता है।

# Guidance & Counselling

## परामर्श एवं निर्देशन में अंतर :-

### मार्गदर्शन (Guidance)

i) यह प्रकृति में मुख्य रूप से निवारक और क्रियात्मक है।

ii) यह विषय उन्मुख है।

iii) यह व्यापक और बहिर्मुखी है;

iv) यह सबसे अच्छा विकल्प चुनने में व्यक्ति को सार्वजनिक मार्गदर्शन देना होता है,

v) मार्गदर्शन का टास्क कड़ा नहीं होता है। जैसा कि परामर्श का

### परामर्श (Counselling)

i) यह औषधीय होने के साथ-२ उपचारात्मक भी है।

2. परामर्श समस्या उन्मुख है।

3. यह गहरी और अंतर्मुखी है।

4. यह व्यक्ति को स्वयं के द्वारा समाधान प्राप्त होता है

5) परामर्श का टास्क कड़ा होता है। मार्गदर्शन से

Date :

# मार्गदर्शन एक प्रकार की सलाह है। जो छात्र को उसके अच्छे कारियर के लिए दी जाती है। और परामर्श एक प्रकार की प्रक्रिया है। जिसमें दूसरी व्यक्ति की समस्या सुनके उसे एक उचित राय और समस्या को सुझाने का मार्ग दिखाया जाता है।

# मार्गदर्शन स्वभाव से प्रिवेंटिव होता है। और परामर्श स्वभाव से रेमेडियल और क्यूरेटिव होता है।

# मार्गदर्शन व्यापक और बाह्यमुखी होता है जबकि परामर्श गहराई में और अंतर्मुखी होता है।

# मार्गदर्शन एक अच्छा तरीका है लक्ष्य को पाने का और परामर्श एक अच्छा तरीका है समस्या का सही समाधान पाने का।

# मार्गदर्शन अधिकतर शिक्षा के लिए होता है जबकि परामर्श में एक प्रोफेशनल व्यक्ति होता है। जो सलाह देता है।

# मार्गदर्शन में एक व्यक्ति एक को और एक से अधिक को सलाह देता है।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date :

जबकि परामर्श में एक व्यक्ति दूसरे अकेले व्यक्ति को ही सलाह देता है।

# मार्गदर्शन में निर्णय गाइड के द्वारा लिया जाता है और परामर्श में निर्णय क्लाइंट के द्वारा.

# मार्गदर्शन किसी प्रकार से छिपाने योग्य बात नहीं होती है, इसमें सामूहिक तौर पे सलाह दी जाती है लेकिन परामर्श में सलाह और बात दोनों गोपनियता होती है।

Scanned with CamScanner

# Vocational & Personal Guidance

## Vocational Guidance
### व्यावसायिक मार्गदर्शन

प्रत्येक युवा को सलाह की आवश्यकता होती है कि उसकी योग्यता और योग्यता को ध्यान में रखते हुए उसके लिए किस तरह का काम सबसे उपयुक्त होगा। जब ऐसी सलाह दी जाती है तो इसे व्यावसायिक मार्गदर्शन के रूप में जाना जाता है; व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यक्रम चयन प्रक्रिया का एक हिस्सा हो सकता है। उम्मीदवारों को कहीं और प्रयास करने की सलाह देने के लिए बड़ी चिंता व्यावसायिक सलाहकारों की हो सकती है; व्यावसायिक मार्गदर्शन व्यावसायिक चयन का अनुसरण करता है; कर्मचारियों के व्यावसायिक चयन का अर्थ है, उन कर्मचारियों की भर्ती जो पहले उद्योग में नहीं थे। व्यावसायिक मार्गदर्शन की कुछ परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं;

According to John Dewey →

"व्यावसायिक मार्गदर्शन एक सुविधाजनक प्रक्रिया है, जो एक व्यक्ति को पेशा चुनने और समायोजित करने में सहायता करने के लिए प्रदान की गई सेवा है।

Scanned with CamScanner

According to National Vocational Guidance Association :→ (1954)

"व्यवसायिक मार्गदर्शन व्यक्ति को एक व्यवसाय चुनने, इसकी तैयारी करने, इस पर प्रवेश करने और इस पर प्रगति करने में सहायता करने की एक प्रक्रिया है।"

इस इसे एक शिक्षा को मदद करने की प्रक्रिया के रूप में पारिभाषित कर सकते हैं कि वह अपने चारों और काम की दुनिया के बारे में पर्याप्त जानकारी प्राप्त कर सके, अपने भविष्य के व्यवसाय के लिए एक उपित विकल्प बना सके और इसमें अधिकतम सफलता और संतुष्टि प्राप्त कर सके।

व्यावसायिक मार्गदर्शन का महत्व :→

i) बेहतर भविष्य की उम्मीद है –
ii) घर पर शुरुआत
iii) स्कूलों में विविधता
iv) व्यावसायिक सफलता
v) विषयों की पसंद
vi) चुनाव की जानकारी
vii) विकल्प
viii) स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव –
ix) मानव क्षमता का उपयोग
x) व्यक्तिगत अंतर।

Scanned with CamScanner

# Personal Guidance

व्यक्तिगत मार्गदर्शन वह है जो किसी व्यक्ति को उसकी व्यक्तिगत समस्याओं को हल करने के लिये प्रदान किया जाता है। संघर्ष और प्रतिस्पर्धा की इस दुनिया में, किसी को अपनी व्यक्तिगत जरूरतों की संतुष्टि के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उद्देश्य के लिए, उसे विभिन्न परिस्थितियों में कई पहलुओं में समायोजन करना होगा।

ऐसे अवसर होते हैं जब व्यक्ति किसी भी व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई महसूस करता है, वह खुद को, दूसरों के और अपने अजीब माहौल में समायोजन करने में भी समस्याओं को हल करने के लिए व्यक्तिगत सहायता या सहायता की आवश्यकता है।

व्यक्तिगत मार्गदर्शन एक व्यक्ति को उसकी सामाजिक, भावनात्मक, नैतिक और स्वास्थ्य समस्याओं को हल करने के लिए दी जाने वाली सहायता है। इस प्रकार

i) सभी सूचना या डेटा का संग्रह।
ii) समस्याओं के कारणों का निदान।
iii) उपचारात्मक उपायों के बारे में सोचना।

Scanned with CamScanner

4) व्यक्तिगत मार्गदर्शन का प्रतिपादन।
5) अनुवर्ती सेवा।

व्यक्तिगत मार्गदर्शन का उद्देश्य व्यक्ति को उसके शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास और समायोजन में मदद करना है।

व्यक्तिगत मार्गदर्शन जीवन के सभी क्षेत्रों में व्यवहार और व्यवहार के विकास में एक बेहतर समायोजन की ओर किसी व्यक्ति को ले जाने में मदद करता है।

व्यक्तिगत मार्गदर्शन के उद्देश्य :-

* शारीरिक विकास के अभाव वर्गों को दूर करने में उसकी मदद करना।

* उसे निर्णय और कार्रवाई की स्वतंत्रता पर निर्भरता से धीरे-धीरे आगे बढ़ने में मदद करने के लिए।

* उसे निर्णय और कार्रवाई की स्वतंत्रता पर निर्भरता से धीरे-2 आगे बढ़ने में मदद करने के लिए।

* परिपक्वता की सहायता करने के लिए यह महसूस करना कि उथल-पुथल के समय का समय अनुभव करना स्वाभाविक है।

Scanned with CamScanner